

**जिला :- अजमेर**



- उपनाम :- भारत का मक्का, राजस्थान का हृदय, राजस्थान का नाका, राजपूताना की कुंजी।
- स्थापना :- अजयपाल ने 1193 में
- स्वतंत्रता के पश्चात राजस्थान के एकीकरण के अंतिम सातवें चरण में 1 नवम्बर 1956 को अजमेर राजस्थान में शामिल हुआ, इसी के साथ राजस्थान का एकीकरण पूर्ण हुआ साथ ही वर्तमान राजस्थान सामने आया।
- राज० में फारसी भाषा का सबसे प्राचीन अभिलेख अजमेर में रखा गया है।
- ब्रह्म जी का एकमात्र मंदिर, पुष्कर, अजमेर में स्थित है।
- अजमेर जिला राजस्थान के मध्य में स्थित है। इसलिये इसे राजस्थान का हृदय भी कहते हैं।
- अजमेर में सर्वाधिक फैसपार व न्वार्टज निकाला जाता है।
- सर्वाधिक → ज्वार, आँवला
- सर्वाधिक विदेशी नस्ल की बुनिया
- राज० के अजमेर में प्रथम सहकारी समिति सन् 1965 में स्थापित
- सहकारिता आंदोलन की शुरुआत सर्वप्रथम अजमेर से
- वीबी का भूवर अजमेर में
- भारत में प्रथम ब्रॉडगेज रेल सेवा 2 अक्टूबर 1894 को भैरता रोड से भैरता सिटी (अजमेर) चली थी
- राज० की पहली मार्बल मंडी किशनगढ़ (अजमेर) में स्थापित की गयी यह एशिया की सबसे बड़ी मार्बल मण्डी है।
- अजमेर उत्तरी भारत व राज० का पूर्ण साक्षर होने वाला पहला जिला है।
- राज० का पहला महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर में खोला गया था।
- \* राज० से सर्वाधिक राजमार्ग अजमेर जिले में से गुजरते हैं।
- राज० की सबसे पुरानी दूध डेयरी पद्मा अजमेर में स्थित है।
- \* राष्ट्रीय वीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र तबीजी, अजमेर में।
- राजस्व बोर्ड का मुख्यालय अजमेर में।
- राज० में गुलाब के पौधों का सर्वाधिक निर्यात अजमेर करता है।
- पुष्कर भृगवन अजमेर में।

- रावली हाँडगढ़ अम्बारण अजमेर में।
- गिर नस्ल की गामे मुख्यतः अजमेर में पाई जाती है अतः इस नस्ल को अजमेरा व रेंडा भी कहा जाता है।
- राजकीय कुक्कुट प्रशिक्षण संस्थान अजमेर में।
- राजस्थान का पूर्णतः साक्षर गाँव मसूदा गाँव अजमेर में।
- राष्ट्रीय राजमार्ग NH-79, 89 व 8 अजमेर में आकर मिलते हैं।
- NH-79 व 8 (नसीराबाद - मिशनगढ़) अजमेर से शुरू होकर समाप्त भी
- राज० का प्रथम केन्द्रीय विश्वविद्यालय मिशनगढ़, अजमेर में।
- जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अजमेर में।
- अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने नवम्बर 2008 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये राजस्थान के कानपुरा (अजमेर) में बातचीत की।
- राज० में स्वतन्त्रता के समय पत्रकारिता का सबसे बड़ा केन्द्र अजमेर था।
- हिन्दुस्तान मशीन टूल्स का कारखाना अजमेर में।
- राजस्थान का सबसे पहला कॉलेज अजमेर में खोला गया था।
- अकणाराय द्वारा स्थापित सामाजिक कार्य शोध केन्द्र तिलीनिया, अजमेर में है। → अकणाराय रेमन मेंगलवे अवार्ड: - सूचना के अधिकार के लिए।
- राजस्थान संग्राहलय अजमेर में।
- ⇒ पुल्कर झील :- पुल्कर (अजमेर)
- \* → यह भारत की सबसे पवित्र झील मानी जाती है।
- \* → यही पर भारत का एकमात्र तुर्मुखी ब्रह्मजी का प्रसिद्ध मन्दिर है।
- रंगनाथ जी का प्रसिद्ध मंदिर, पुल्कर अजमेर में।
- ⇒ तारागढ़ दुर्ग :- अजमेर
- निर्माण अजयराज ने व नाम अपनी पत्नी ताराबाई के नाम पर
- \* → अन्य नाम :- अजयमेक दुर्ग, राजस्थान का जिब्राल्टर, पूर्व का दूसरा जिब्राल्टर।
- यह दुर्ग अजमेर की गढ़वीठली पहाड़ी पर है अतः इसका नाम गढ़वीठली दुर्ग भी है।
- ⇒ अम्बर का किला :- अजमेर
- निर्माण अम्बर ने।
- अन्य नाम अजमेर का किला / मैंगनीज का किला। अम्बर का दलितखाना
- राज० में पूर्णतः मुस्लिम शैली से बना एकमात्र दुर्ग
- हल्दी घाटी के युद्ध की योजना।

- \* ख्याता मौडिनुद्दीन चिश्ती की दरगाह अजमेर में है। निर्माण → इल्तुतमिश द्वारा  
 → पुष्कर पशु मेले का आयोजन अजमेर में होता है। पुरा → हुमायूँ द्वारा  
 → वीर तेजाजी का मेला अजमेर में लगता है।  
 ⇒ लूणी नदी :-  
 → लूणी नदी अजमेर की नाग पहाड़ियों से निकलती है।  
 → अन्य नाम :- मकआशा, लवणवती, लवणीय।  
 → शहर के मकरस्थल की सबसे बड़ी नदी।  
 → राजस्थान की चम्बल के बाद सबसे बड़ी नदी।  
 ⇒ आनासणकर झील :- अजमेर  
 → निर्माण - अणोरिज ने  
 → न्जारे पर जहाँगीर ने दौलत बाग का निर्माण वर्तमान में सुभाष उद्यान कहलाता है।  
 ⇒ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड :- अजमेर  
 → यह माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक का ही पुस्तकों का प्रकाशन व परीक्षाओं का आयोजन करता है।  
 ⇒ बादशाह का मेला :- अजमेर के ब्यावर में होली के पर्व पर  
 ⇒ बराह मंदिर :- अजमेर बराह मंदिर का निर्माण अणोरिज द्वारा  
 ⇒ \* सलेमाबाद :- सलेमाबाद (अजमेर) में निम्बार्क सम्प्रदाय की प्रधान पीठ स्थित है। निम्बार्क सम्प्रदाय को परशुराम सम्प्रदाय, सनकादि सम्प्रदाय के नाम से भी जाना जाता है।  
 ⇒ तिलोनिया :- तिलोनिया अजमेर में स्थित एक गाँव है जो फैचवर्क (कपड़े टुकड़ों से विभिन्न आकृति बनाया) कर्ष के लिये देशभर में प्रसिद्ध है।  
 → इसी गाँव में समाज कार्य एवं अनुसंधान केंद्र (S.O.R.C.) स्थित है।  
 ⇒ सावित्री मंदिर :- सावित्री जो कि ब्रह्म जी की पत्नी है, का मंदिर अजमेर में है। यह भारत का एकमात्र सावित्री जी का मंदिर है।  
 ⇒ अढ़ाई दिन का झोपड़ा :- अजमेर में स्थित अढ़ाई दिन के झोपड़े का निर्माण विग्रहराज चतुर्थ ने संस्कृत पाठशाला के रूप में करवाया था। बाद में कुतुबुद्दीन ऐबक ने इसे तुड़वाकर मस्जिद में परिवर्तित कर दिया।

- \*\*\* => क्रिशनगढ़ शैली :- अजमेर के क्रिशनगढ़ में इस शैली का व्यापक विस्तार है। इस सँ शैली में बनी बणी-ठणी पैँछि विश्व प्रसिद्ध है।
- > सावंत सिंह (नागरीदास) के शासनकाल में इस शैली का स्वर्णिम काल माना जाता है।
  - > क्रिशनगढ़ शैली के प्रसिद्ध चित्रकार निहालचंद जी हैं। जिन्होंने बणी-ठणी पैँछि बनाई।
  - > बणी-ठणी को एरिक डिकसन ने भारतीय मॉनालिसा कहा।
- => \* तबीजी :- अजमेर
- > अजमेर में तबीजी नामक स्थान पर देश व राजस्थान का पहला राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र स्थित है।
  - > रामसर, अजमेर में केन्द्रीय बकरी प्रजनन एवं अनुसंधान केन्द्र स्थित है।
  - > अजमेर में बीसलसर नामक कृत्रिम झील का निर्माण बीसलदेव ने करवाया था।
  - > ख्वाजा फखरुद्दीन गिश्ती की दरगाह अजमेर में स्थित है।
- 
- => नसीरबाद :- राज्य में 1857 की क्रांति का प्रारम्भ यही सँ हुआ। (28 मई 1857)
- > अजमेर में गुली जेल का निर्माण किया जा रहा है।
  - > ब्रह्म जी के मंदिर का निर्माण गोकुलचंद पारीक ने।